LIBRARY

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

S.No. 01 **(June 2023)**

दैनिक भास्कर -	Page – 2	13/06/2023

एसपीए • 15 हजार से ज्यादा लोगों के हर एक हाउसहोल्ड की 6 महीने तक की डीटेल्ड स्टडी

52 स्टूडेंट्स ने बनाया बाणगंगा री-डेवलपमेंट प्लान

ये है लोकल एरिया प्लान

सिटी रिपोर्टर। स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) भोपाल के 52 स्टूडेंट्स ने मिलकर शहर के सबसे पुराने स्लम एरिया (बाणगंगा) को रीडेवलप करने के लिए लोकल एरिया प्लान बनाया है, ताकि इस एरिया को भी स्मार्ट होती भोपाल सिटी के हिसाब से डेवलप कर सकें। करीब 6 महीने में तैयार इस स्टडी के मेंटर हैं आर्किटेक्ट विक्रम कोहली, डॉ. अजय कुमार विनोदिया और आर्किटेक्ट नागदीप्थी बोम्मारेड्डी।

स्टूडेंट्स, आर्किटेक्ट्स की टीम

बीआर्क में थर्ड ईयर के स्टूडेंट पियूष बिलगैया ने बताया- इस एलएपी (लोकल एरिया प्लान) की खासियत यह है कि इसमें स्लम एरिया में रह रहे 15 हजार से ज्यादा लोगों के हर एक हाउसहोल्ड की डीटेल्ड स्टडी की है। इसमें यहां कितने घर सिंगल स्टोरी हैं, कितने डबल और कितने घरों में सेप्टिक टैंक हैं, की जानकारी जुटाई गई। कम्यूनिटी स्पेस डेवलप करने से जुड़े ढेरों सुझाव भी स्टूडेंट्स और आर्किटेक्ट्स की टीम ने तैयार किए हैं।

रिपोर्ट में दिए गए हैं इस तरह के कई सुझाव

1. सैनिटेशन के लिए बेहतर चैनल तैयार किया जाए और पब्लिक टॉयलेट बनाए जाएं। इनके मेंटेनेंस की जिम्मेदारी कम्यूनिटी को ही दी जाए।
2. थोड़ी सी बारिश में भी बाणगंगा नाले में बाढ़ आ जाती है। इसके लिए इस पूरे एरिया को ग्रीन बेल्ट की तरह डेवलप करना होगा। खासतौर पर वे पौधे लगाने होंगे, जो इस हैबिटैट में पनपने के लिए ही बने हों। इससे ग्राउंड वॉटर रिचार्ज भी बढ़ेगा और वेस्ट कलेक्शन और सेग्रिगेशन प्रैक्टिस से नाला रिजुवनेट किया जा सकेगा, जिससे फ्लड कंट्रोल होगा।
3. बस्ती में बने हुए पुराने हैंडपंप, जो असल में अब काम में नहीं आते, इन्हें कैंपिंग या सोशल एक्टिविटी के लिए री-डेवलप किया जा सकता है।